

भारत के असाधारण राजपत्र भाग २ छप्ट ३(।) में प्रकाशित

सं० ।।। ०३०/९/७७-भा०३०(।।)

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

कार्यिल और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-।।। ०००। दिनांक/५ जुलाई, १९७७

अधि सूचना

जिल भारतीय सेवाएँ अधिनियम, १९५१ (१९५१ का ६।) को
धारा ३ को उपधारा (।) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग दरते हुए,
केन्द्रीय सरकार, सम्बद्धित राज्य सरकारों के परामर्श के बाद भारतीय
प्रशासन सेवा(वैतन) नियम, १९५४ में और आगे संशोधन दरने के लिए
स्तरद्वारा निम्नलिखित नियम बनाये हैं, अर्थात् :

१- (।) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा
(वैतन) सातवीं संशोधन नियम, १९७७ है ।

(२) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन को तारों से प्रवृत्त हों।

२- भारतीय प्रशासन सेवा(वैतन)नियम, १९५४ में नियम ८ के
बाद निम्नलिखित नियम जीड़ दिए जाएंगे, अर्थात् :-

“४८- यनुसूची ।।। में दिए गए पदों पर कार्य करने के
लिए नियुक्त भारतीय सोमान्त प्रशासन सेवा के सदस्यों का
वैतन

इन नियमों में दो गईं दिसी बात के होते हुए भी, भारतीय
सोमान्त प्रशासन सेवा दा कीई सदस्य, जिसे ।।।-१९६८ से पहले उक्त सेवा
में भर्ती किया गया हो और यनुसूची ।।। में निर्दिष्ट किसी पद पर कार्य
करने के लिए नियुक्त किया गया हो, जब तब उक्त पद पर कार्य करेगा
तब तक उक्त यनुसूची में निर्दिष्ट उस पद का दैतन लैने दा छक्का रहेगा” ।

कृष्णलू नेत्री

(कौशलू नैगी)

अवर सचिव, भारत सरकार